One-day workshop on 'National Education Policy and Enhancement of the Higher Education Institutions'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 15-03-2024**

आशा, अवसर और विकास की संभावनाओं से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : ला गणेशन

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़ 14 मार्च (परमजीत /मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद् के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आयोजन में मुख्य अतिथि श्री ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगारपरकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। माननीय राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास हेतु आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है। उन्होंने अपने संबोधन में इंटरप्रिंयोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। श्री गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में पुरातन भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण व उसके संवर्धन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अब समय है कि भारत के भवष्यि निर्माण की ओर अग्रसर हों और इस शिक्षा नीति के माध्यम से यह लक्ष्य कठिन नहीं है।

कार्यशाला को संबोधित करते राज्यपाल ला गणेशन।

इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी की गीता बताते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर से विश्व स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए सक्षम होने जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रयास में उनकी भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। शिक्षक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़े जो हमारी संस्कृति से जुड़ी हो और विकास के अवसर भी प्रदान करती हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन सभी उद्देश्यों की पूर्ति करती है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि राज्यपाल ला गणेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षा में सुधार का एक उल्लेखनीय प्रयास है। विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत है। देश में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहाँ चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य युवाओं को नौकरी पाने वाला नहीं बल्कि देने वाला बनाना है। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया गया है जोकि एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के बाद एक ऐसा माहौल तैयार हुआ है जो कि विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह नीति युवाओं को जोखिम लेने के काबिल बनाती है और व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में यह गुण बेहद उपयोगी है।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति हमें अपने पुराने ज्ञान व मूल्यों से जोड़कर भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर करती है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति इस नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु उत्तरी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह शिक्षा नीति संपूर्ण मानवता के विकास में मददगार है और भारतीयों को संपूर्ण राष्ट्र व मानवता के कल्याण हेतु क्षमतावान बनाने में सक्षम है। कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यशाला के आयोजक डॉ. अरविंद सिंह तेजावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और उद्घाटन सत्र के अंत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आईसीएसएसआर की ओर से इस प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. प्रियंका कौशिक, डॉ. सौरव प्रताप सिंह राठौड़ सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी, प्रतिभागी व आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नवोदय टाइम्स Fri, 15 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74741680

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 15-03-2024**

आशा, अवसर और विकास की संभावनाओं से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीति: ला गणेशन

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल माननीय श्री ला गणेशन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में मुख्य अतिथि श्री ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगारपरकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। माननीय राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास हेतु आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है। उन्होंने अपने संबोधन में इंटरप्रिंयोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। श्री गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में पुरातन भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण व उसके संवर्धन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अब समय है कि भारत के भवष्यि निर्माण की ओर अग्रसर हों और इस शिक्षा नीति के माध्यम से यह लक्ष्य कठिन नहीं है।

इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी की गीता बताते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर से विश्व स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए सक्षम होने जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रयास में उनकी भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। शिक्षक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़े जो हमारी संस्कृति से जुड़ी हो और विकास के अवसर भी प्रदान करती हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन सभी उद्देश्यों की पूर्ति करती है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल श्री ला गणेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षा में सुधार का एक उल्लेखनीय प्रयास है। विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत है। देश में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य युवाओं को नौकरी पाने वाला नहीं बल्कि देने वाला बनाना है। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया गया है जोकि एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के बाद एक ऐसा माहौल तैयार हुआ है जो कि विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह नीति युवाओं को जोखिम लेने के काबिल बनाती है और व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में यह गुण बेहद उपयोगी है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति हमें अपने पुराने ज्ञान व मूल्यों से जोड़कर भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर करती है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति इस नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु उत्तरी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह शिक्षा नीति संपूर्ण मानवता के विकास में मददगार है और भारतीयों को संपूर्ण राष्ट्र व मानवता के कल्याण हेतु क्षमतावान बनाने में सक्षम है। कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यशाला के आयोजक डॉ. अरविंद सिंह तेजावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और उद्घाटन सत्र के अंत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आईसीएसएसआर की ओर से इस प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. प्रियंका कौशिक, डॉ. सौरव प्रताप सिंह राठौड़ सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी, प्रतिभागी व आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-03-2024**

विकसित भारत के निर्माण के लिए हर बच्चे को शिक्षित बनाएं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर कार्यशाला आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में वीरवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नगालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने किया। ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास के लिए आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है। ला गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि राज्यपाल ला गणेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षा में सुधार का एक उल्लेखनीय प्रयास है।

कार्यशाला को संबोधित करते नगालैंड के राज्यपाल ला गणेशन। स्रोत : हकेंवि

विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत है। देश में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है।कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य युवाओं को नौकरी पाने वाला नहीं बल्कि देने वाला बनाना है। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया गया है जोकि एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के बाद एक ऐसा माहौल तैयार हुआ है जो कि विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह नीति युवाओं को जोखिम लेने के काबिल बनाती है और व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में यह गुण बेहद उपयोगी है।

इस अवसर पर प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. प्रियंका कौशिक, डॉ. सौरव प्रताप सिंह राठौड़ सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी, प्रतिभागी व आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 15-03-2024**

'संभावनाओं से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीति'

उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर कार्यशाला का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद (आइसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं।

आयोजन में मुख्य अतिथि ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगार परकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। राज्यपाल ने इस

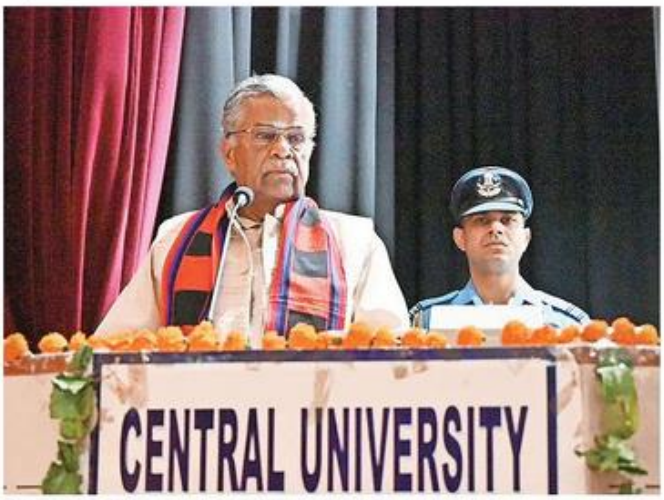

विद्यार्थियों को संबोधित करते नागालैंड के राज्यपाल गणेशन ● जागरण

मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास के लिए आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है। उन्होंने इंटरप्रिंयोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने पुरातन भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण व उसके संवर्धन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अब समय है कि भारत के भविष्य निर्माण की ओर अग्रसर हों और इस शिक्षा नीति के माध्यम से यह लक्ष्य कठिन नहीं है।

भारत अनंतकाल से रहा है ज्ञान का केंद्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन डा. पवन शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के राजनीतिक पक्ष पर चर्चा की। उन्होंने वेद, पुराण, श्रुति और स्मृतियों में भेद बताया तथा विस्तारपूर्वक वर्णन किया।

डा. शर्मा के अनुसार भारत अनंतकाल से ज्ञान का केंद्र रहा है। भारतीय चिंतन में कर्म व धर्म प्रधान है। आगे की जानकारी देते हुए उन्होंने कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत का उल्लेख करते हुए राजा के कर्त्तव्य और राज्य के अंगों के बारे में बताया। अंततः उन्होंने कौटिल्य के मंडल सिद्धांत के बारे में बताकर भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इससे पूर्व में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र कुमार मीणा ने मुख्य वक्ता डा. शर्मा का अभिनंदन किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 15-03-2024**

आशा, अवसर और विकास की संभावनाओं से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः ला गणेशन

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में मुख्य अतिथि ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगारपरकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। माननीय राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास हेतु आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है।

उन्होंने अपने संबोधन में इंटरप्रिंयोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी की गीता बताते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर से विश्व स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए सक्षम होने जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रयास में उनकी भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल ला गणेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षा में सुधार का एक उल्लेखनीय प्रयास है। विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत है। देश में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहाँ चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 15-03-2024**

आशा, अवसर और विकास से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : ला गणेशन

महेंद्रगढ़ में बृहस्पतिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते नगालैंड के राज्यपाल ला गणेशन। -हप्र

महेंद्रगढ़, 14 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नगालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में इंटरप्रन्योरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया।

विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी की गीता बताते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर से विश्व स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए सक्षम होने जा रहा है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राज्यपाल ला गणेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश में हकेंवि पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है।

इस अवसर पर आईसीएसएसआर की ओर से इस प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. प्रियंका कौशिक, डॉ. सौरव प्रताप सिंह राठौड़ सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 15 March 2024 https://epaper.dainiktribu

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 15-03-2024**

National Education Policy is full of hope, opportunities and possibilities of development - La Ganesan

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : A one-day workshop funded by ICSSR on National Education Policy and Enhancement of the Higher Education Institutions was organized at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The workshop was inaugurated by the Hon'ble Governor of Nagaland, Shri La Ganesan as the Chief Guest. Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of Maharishi Dayanand Saraswati University, Ajmer Prof. Anil Shukla, Guest of Honour, Pro-Vice Chancellor of the University, Prof. Sushma Yadav were also present on this occasion. Hon'ble Governor Mr. La Ganesan said that in National Education Policy the path to success has been paved mainly through education and skill development in the mother tongue. This policy is going to eliminate the gap between education and employability. Mr. Ganesan said that this policy is going to develop the possibilities of creativity and employment by developing the necessary eco-system for progress and development through innovation, research. In his address, he emphasized the contribution of this policy in the development of entrepreneurship and making the youth proficient in problem solving skills. Shri Ganesan stressed on educating every child of India to build a developed India. In his address, he also highlighted the importance of ancient Indian knowledge system and drew attention towards the preservation and promotion of Indian knowledge system on in the new education policy and said that now is the time to move towards building the future of India and this goal is not difficult to achieve through new education policy.